MADHUKAR KOTAWE ACADEMY

PT 365 : Economy

625, Ground Floor, Near Bansi Wala Sweets, Mukherjee Nagar, Delhi-09
Contact: 9289708001, 9289708002, 9289708003

- **RBI** की नई मौद्रिक नीति समीक्षा
- भारत विद्युत का तीसरा बड़ा उत्पादक
- रूपये का अवमूल्यन
- भारत में अब तक रिकॉर्ड **FDI**
- स्वेट इक्विटी को लेकर सेबी के नए नियम
- **MSMEs** के लिए **RAMP** योजना
- भारत में गरीबी को लेकर **WB** का नया दस्तावेज
- फिन्क्लुवेशन पहल
- भारत पर कोविड के प्रभावों को लेकर **RBI** की रिपोर्ट
- राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम के गठन को स्वीकृति
- समर्थ अभियान
- कौशल्या मातृत्व योजना
- पाकिस्तान फिर से **FATF** की ग्रे लिस्ट में
- **MSME** की वस्तुस्थिति और **NPA** का बढ़ता स्तर
- सूक्ष्म वित्तीय ऋणों के लिए **RBI** का नियामक ढांचा
- **WPI** और **CPI** आधारित मुद्रास्फीति के ताजा आंकड़े
- रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब
- भारत का विदेशी मुद्रा भंडार
- राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम
- वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद की बैठक
- विकासशील देश के रूप में चीन और विश्व व्यापार संगठन
- भारतीय मानक ब्यूरो के **75** वर्ष पूरे
- हरित ऊर्जा गलियारा के दूसरे चरण को मंजूरी
- प्राथमिक डीलर विंडो
- मिस्र बना ब्रिक्स न्यू डेवलपमेंट बैंक का सदस्य
- ग्लोबल गेटवे योजना
- वेतन दर सूचकांक में संशोधन
- विश्व असमानता रिपोर्ट**, 2022**
- विशेष क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी योजना
- भारत के राजस्व घाटे में वृद्धि
- बाजार आधारित आर्थिक प्रेषण
- **'SACRED'** रोजगार पोर्टल
- ग्रीन टर्म लोन
- **Economic Survey**
- **Budget**
- **Facts & Data (Updated)**

MK ACADEMY

RBI की नई मौद्रिक नीति समीक्षा

- मई**, 2022**
- **RBI** की मौद्रिक नीति समिति की बैठक
- मई**, 2020** के बाद पहली बार **RBI** द्वारा मौद्रिक नीतिगत दरों में परिवर्तन

- रेपो दर **40** आधार अंकों से बढ़ाकर **4.40%**
- नकद आरक्षित अनुपात **(CRR)** को **50** आधार अंकों से बढ़ाकर **4.5%**

- रेपो रेट : **4.40%**
- रिवर्स रेपो रेट : **3.35%**
- सीमांत स्थायी सुविधा **(MSF) : 4.65%**
- बैंक दर : **4.65%**

मौद्रिक नीति समिति

- **27** जून, **2016**
- वित्त अधिनियम, **2016** के तहत गठित
- ब्याज दर निर्धारण को अधिक प्रासंगिक और पारदर्शी बनाना
- छह सदस्य : **3 RBI** से **+ 3** की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा
- **RBI** का गवर्नर समिति का पदेन अध्यक्ष
- **RBI** के डिप्टी गवर्नर समिति के प्रभारी

लक्ष्य

- आर्थिक वृद्धि को ध्यान में रखते हुए मूल्य स्थिरता बनाए रखना
- **RBI Act, 1934** के अनुसार, भारत सरकार **RBI** से परामर्श करके प्रत्येक **5** वर्ष में एक बार मुद्रास्फीति लक्ष्य को निर्धारित करेगी।
- केंद्र सरकार ने इसे 'उपभोक्ता मूल्य सूचकांक' **(CPI)** के अनुसार अगस्त, **2017** से **31** मार्च, **2022** के लिये **4 (+ or 2)** प्रतिशत निर्धारित किया है।

भारत विद्युत का तीसरा बड़ा उत्पादक

- मई, **2022**
- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी
- **Key World Energy Statistics** नामक रिपोर्ट
- भारत विद्युत उत्पादन में अमेरिका एवं चीन के बाद तीसरे स्थान पर

रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- स्वतंत्रता के बाद से भारत में विद्युत उत्पादन **100** गुना से अधिक
- परंतु आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण विद्युत की मांग, उत्पादन से अधिक

- उत्पादन में वृद्धि के बावजूद भारत अभी तक **100%** विद्युतीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल नहीं

- रिपोर्ट में मुख्य रूप से सौभाग्य योजना, उज्जवल योजना तथा उजाला जैसी योजनाओं का उल्लेख

प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना

- देश में **40** मिलियन से अधिक परिवारों को विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से

उदय योजना

- उज्जवल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना
- राज्य डिस्कॉम की खराब वित्तीय स्थिति मे सुधार करने के लिये
- **Ujjwal Discom Assurance Scheme**

उजाला योजना

- दक्ष प्रकाश व्यवस्था को बढ़ावा देना, दक्ष उपकरणों के उपयोग करने के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा विद्युत बिल में कमी लाना

रूपये का अवमूल्यन / Depreciation of Rupee

- मई, **2022**
- भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर की तुलना में अब तक सबसे निम्नतम स्तर पर
- अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रूपये का मूल्य **77.44**

कारण

- निवेशकों द्वारा अमेरिकी डॉलर में निवेश को प्राथमिकता देना
- अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैंक (केंद्रीय बैंक) द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि
- रूस-यूक्रेन संकट

मुद्रा का अवमूल्यन

- अस्थायी विनिमय दर प्रणाली में मुद्रा के मूल्य में गिरावट
- रूपये का मूल्यह्रास : डॉलर के मुकाबले रूपये का कमज़ोर होना
- आर्थिक बुनियादी संरचना, राजनीतिक अस्थिरता या जोखिम से बचने के कारण मुद्रा अवमूल्यन
- मुद्रा अवमूल्यन से किसी देश की निर्यात गतिविधि को प्रोत्साहन
- क्योंकि विदेशों से वस्तुएं खरीदना महंगा जबकि विदेशी व्यापारियों द्वारा संबंधित देश की वस्तुएं खरीदना सस्ता

मुद्रा का अधिमूल्यन

- किसी अन्य मुद्रा की तुलना में एक मुद्रा के मूल्य में वृद्धि
- सरकार की नीति, ब्याज दरों, व्यापार संतुलन और व्यापार चक्र सहित कई कारणों से मुद्रा के मूल्य में वृद्धि
- मुद्रा अधिमूल्यन से किसी देश की निर्यात गतिविधि हतोत्साहित
- क्योंकि विदेशों से वस्तुएं खरीदना सस्ता, जबकि विदेशी व्यापारियों द्वारा देश की वस्तुएं खरीदना महंगा

भारत में अब तक रिकॉर्ड FDI / Record FDI in India so far

MADHUKAR KOTAWE
MK ACADEMY

- मई, **2022**
- केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय
- वित्त वर्ष **2021-22** में भारत में रिकॉर्ड **FDI**
- वित्त वर्ष **2021-22** में भारत में **83.57** अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
- वित्त वर्ष **2020-21** में **81.97** अरब डॉलर का **FDI** आया था
- विगत **20** वर्षों में भारत में **FDI** में **20** गुना की वृद्धि
- सर्वाधिक **FDI** कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्र में
- दूसरे स्थान पर सेवा क्षेत्र और ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री

स्वेट इक्विटी को लेकर सेबी के नए नियम

- अप्रैल, **2022**
- सेबी (इश्यू ऑफ स्वेट इक्विटी) विनियम, **2002** के तहत स्वेट इक्विटी को लेकर नए नियम लागू
- नियम पिछले वर्ष जारी, किंतु कोरोना महामारी के कारण कुछ समय के लिए स्थगित

स्वेट इक्विटी

- जो शेयर कंपनी के कर्मचारियों और डायरेक्टर्स को रियायती मूल्य पर या निःशुल्क आवंटित किए जाते हैं

क्या है नए नियम ?

- एक सूचीबद्ध कंपनी द्वारा जारी किये जा सकने वाले स्वेट इक्विटी शेयरों की अधिकतम वार्षिक सीमा मौजूदा पेड-अप इक्विटी शेयर पूंजी के **25%** निर्धारित

- कंपनियों को अब उन कर्मचारियों को शेयर-आधारित कर्मचारी लाभ प्रदान करने की अनुमति होगी, जो विशेष रूप से उस कंपनी या उसके किसी समूह की किसी सहायक कंपनी या सहयोगी कंपनी के लिये काम कर रहे हैं।

- न्यूनतम अवधि और लॉक-इन अवधि (न्यूनतम **1** वर्ष) की आवश्यकता समाप्त
- नए नियम केवल सूचीबद्ध कंपनियों पर लागू

MSMEs के लिए **RAMP** योजना

- अप्रैल, **2022**
- **Rising and Accelerating MSME Performance**
- योजना की घोषणा केंद्रीय बजट **2022-23** में
- **MSME** के प्रदर्शन को बेहतर और करने के लिए
- **April, 2022**

- यू.के सिन्हा समिति, के.वी कामथ समिति तथा प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद **(PMEAC)** द्वारा की गई सिफारिशों के अनुरूप

RAMP योजना

- विश्व बैंक से सहायता प्राप्त
- केंद्रीय क्षेत्र की योजना
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
- कोविड**-19** संबंधित चुनौतियों के समाधान हेतु आवश्यक मदद

उद्देश्य

- बाज़ार और ऋण तक पहुँच में सुधार
- केंद्र एवं राज्यों में स्थित विभिन्न संस्थानों और शासन को मज़बूत
- केंद्र-राज्य संबंधों और साझेदारियों को बेहतर करना

- **MSME** द्वारा विलंबित भुगतान और पर्यावरण अनुकूल उत्पाद एवं प्रक्रियाओं से संबंधित मुद्दों को सुलझाना

भारत में गरीबी को लेकर **WB** का नया दस्तावेज

- अप्रैल**, 2022**
- विश्व बैंक
- औपचारिक नाम **: Poverty has Declined over the Last Decade But Not As Much As Previously Thought**

MK ACADEMY

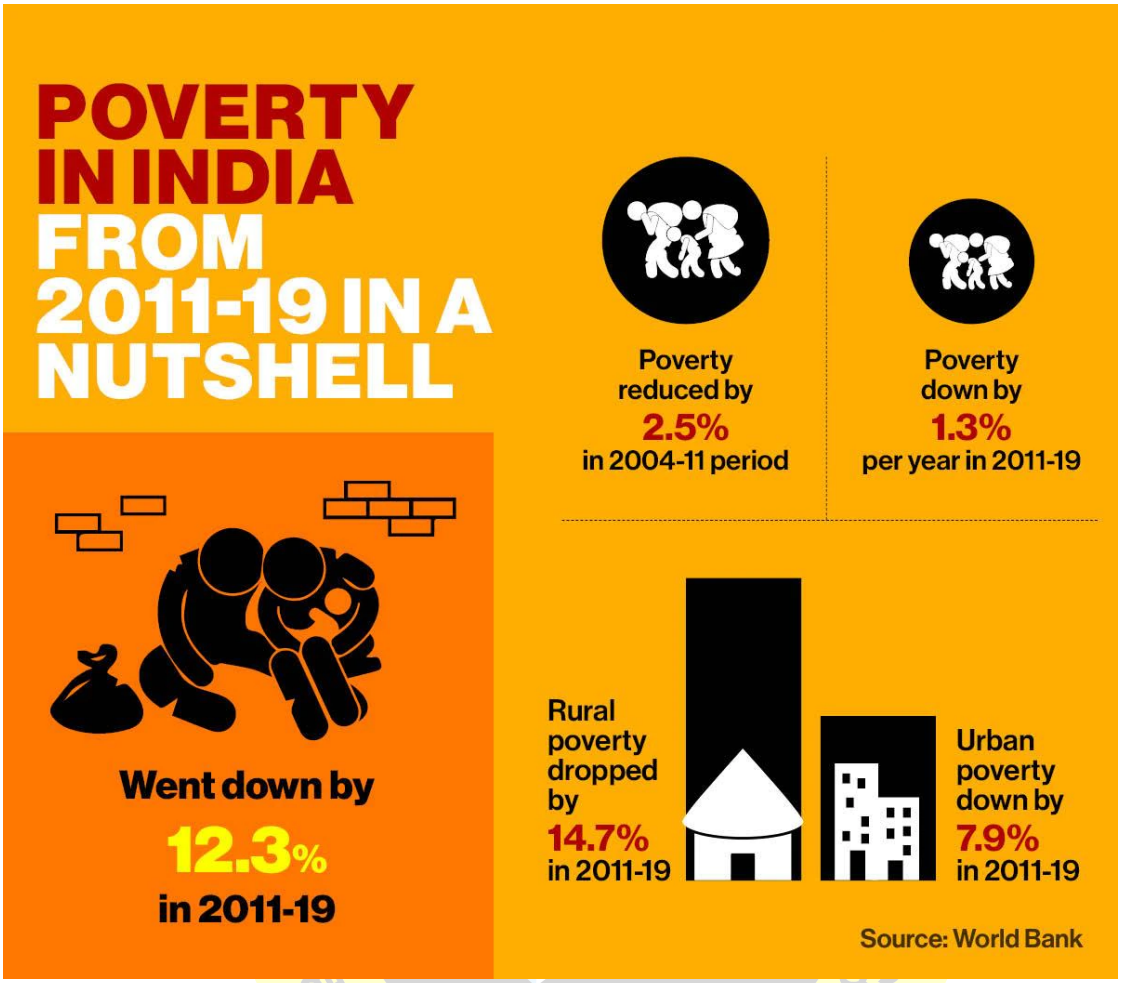

प्रमुख बिंदु

- भारत में अत्यधिक गरीबी की स्थिति में वर्ष **2011** की तुलना में वर्ष **2019** में **12.3%** अंक की कमी
- ग्रामीण क्षेत्रों में तुलनात्मक रूप से गरीबी में तेजी से गिरावट

- ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी वर्ष **2019** में वर्ष **2011** के स्तर **22.5%** से घटकर **10.2%**
- शहरी क्षेत्रों में इसी अवधि में गिरावट **14.2%** से **6.3%** तक

Note

- विश्व बैंक द्वारा **"अत्यधिक गरीबी" (Extreme Poverty)** को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन **1.90** अमेरिकी डॉलर से कम पर रहने के रूप में परिभाषित किया है।
- वर्ष **2011-2019** के दौरान ग्रामीण और शहरी गरीबी में क्रमशः **14.7** और **7.9%** की गिरावट
- वर्ष **2016** में भारत में विमुद्रीकरण के साथ शहरी गरीबी में **2%** की बढ़ोत्तरी जबकि ग्रामीण गरीबी में **10%** की वृद्धि

छोटे किसान

- छोटी जोत वाले किसानों के लिए वास्तविक आय में दो सर्वेक्षण के दौरों **(2013** और **2019)** के मध्य वार्षिक रूप से **10%** की वृद्धि

- जबकि बड़ी जोत वाले किसानों के लिये **2%** की वृद्धि
- ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे भूमिधारकों की आय में वृद्धि ग्रामीण क्षेत्रों में आय असमानता में कमी को दर्शाती है।

फिन्क्लुवेशन पहल / Finclution Initiative

- अप्रैल, **2022**
- इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक द्वारा
- वित्तीय समावेशन हेतु एक पहल
- हालांकि अभी औपचारिक रूप से प्रारंभ नहीं, किंतु शीघ्र ही प्रारंभ

फिन्क्लुवेशन पहल

- वित्तीय समावेशन के संदर्भ में उपजी चुनौतियों के समाधान एवं वित्तीय समावेशन को बढ़ाने हेतु फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) स्टार्टअप

फिन्क्लुवेशन पहल स्टार्टअप को सहभागी बनने, विचार देने तथा ग्राहकों तक सहज पहुंचाई जा सकने वाली सेवाओं का विकास करने के लिए आमंत्रित करता करेगी।

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक

- संचार मंत्रालय में डाक विभाग के अंतर्गत **2018** को स्थापना
- भारत सरकार की **100%** हिस्सेदारी
- वित्तीय समावेशन की एक पहल
- **IPPB** के माध्यम से डाकिया धन हस्तांतरण, सरकारी लाभों के हस्तांतरण बिल भुगतान, निवेश एवं बीमा जैसी सेवाएं सुलभ

भारत पर कोविड के प्रभावों को लेकर **RBI** की रिपोर्ट

- अप्रैल, **2022**
- कोविड-**19** महामारी के भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभावों के संदर्भ में रिपोर्ट
- औपचारिक नाम **Revive and Reconstruct**

रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- भारतीय अर्थव्यवस्था को कोविड- **19** से होने वाले नुकसान से उबरने में एक दशक से अधिक समय लग सकता है।
- वर्ष **2020-21** के लिए **(-) 6.6%** की वास्तविक वृद्धि दर
- वर्ष **2021-22** के लिए **8.9%**
- वर्ष **2022-23** के लिए **7.2%**
- **7.5%** की वास्तविक वृद्धि दर के साथ द्वारा वर्ष **2034-35** में नुकसान को दूर करने की उम्मीद

रूस-यूक्रेन संघर्ष ने भी सुधार की गति को कम कर दिया है, इसके प्रभाव रिकॉर्ड उच्च कमोडिटी कीमतों, कमज़ोर वैश्विक विकास दृष्टिकोण और सख्त वैश्विक वित्तीय स्थितियों के माध्यम से प्रदर्शित हुए हैं।

रिपोर्ट में दिए गए सुझाव

- मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों का पुनर्संतुलन
- मज़बूत और सतत विकास के लिये मूल्य स्थिरता
- अगले **5** वर्षों में सरकारी ऋण को **GDP** के **66%** से कम करना
- शिक्षा और स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय बढ़ाना
- नवाचार और प्रौद्योगिकी गतिविधियों को बढ़ाना
- स्टार्टअप के लिये एक अनुकूल वातावरण बनाना
- अक्षमताओं को बढ़ावा देने वाली सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाना

राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम के गठन को स्वीकृति

- केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम के गठन को औपचारिक स्वीकृति
- निगम के गठन की घोषणा बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा
- निगम की संरचना के बारे में अभी सरकार द्वारा स्पष्टीकरण नहीं
- भारत सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी के रूप में स्थापित
- केंद्रीय वित्त मंत्रालय के लोक उद्यम विभाग के तहत संचालित
- आरंभिक अधिकृत शेयर पूंजी **5** हजार करोड़ रूपये

मुद्रीकरण का लाभ

- निजी क्षेत्र से निवेश
- रोजगार के अवसर
- अनुपयुक्त भूमि का सदुपयोग
- अतिरिक्त पूंजी का सृजन
- आधारभूत संरचना का विकास

समर्थ अभियान / **Samarth Abhiyan**

- **7** मार्च
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर
- केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय **(MSME)**
- महिला उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से

प्रमुख बिंदु

- हिलाओं को कौशल विकास सहायता प्रदान करना
- कौशल विकास कार्यक्रमों में **20%** सीटें महिलाओं के लिए आवंटित
- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और उनके विपणन का अवसर

कौशल्या मातृत्व योजना

- मार्च, **2022**
- छत्तीसगढ़ सरकार
- दूसरी बेटी के जन्म पर सरकार द्वारा महिला को **5** हजार रुपये एकमुश्त
- उद्देश्य : बाल लिंगानुपात में सुधार

पाकिस्तान फिर से **FATF** की ग्रे लिस्ट में

- मार्च, **2022**
- वित्तीय कार्रवाई कार्य बल
- पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में बनाए रखने का निर्णय
- **2018** से पाकिस्तान ग्रे लिस्ट में
- ग्रे लिस्ट का अन्य नाम **Increased Monitoring List**

FATF द्वारा यह निर्णय क्यों ?

- पाकिस्तान द्वारा **26/11** के आरोपी हाफिज सईद और जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर जैसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादियों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं

Grey List

- किसी देश की आतंकवादी फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग पर अंकुश लगाने में विफलता
- वैश्विक पटल पर नकारात्मक छवि
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सहायता मिलने में मुश्किलें

Black/Dark List

- संबंधित देश को अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सहायता पर प्रतिबंध
- **1989** में स्थापना
- एक अंतर-सरकारी निकाय
- मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवादी वित्त पोषण जैसे खतरों से निपटना उद्देश्य
- सदस्य **37** देश
- भारत **2010** में **FATF** का सदस्य

MSME की वस्तुस्थिति और **NPA** का बढ़ता स्तर

- मार्च, **2022**
- केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय
- कोरोना महामारी के कारण **MSME** सेक्टर के **NPA** में वृद्धि
- देशव्यापी लॉकडाउन के बाद हज़ारों **MSMEs** या तो बंद या उनकी आर्थिक स्थिति खराब
- वर्तमान में देश में लगभग **6.3** करोड़ **MSME** सक्रिय
- **11** करोड़ लोगों को रोज़गार
- लगभग **55% MSME** रोज़गार शहरी क्षेत्रों में स्थित
- लगभग **99.5%** उद्यम 'सूक्ष्म' **(Micro)** श्रेणी
- **66%** उद्यम समाज के निचले वर्ग से जुड़े लोगों द्वारा संचालित
- **12.5% SC, 4% ST** और **49% OBC**
- **MSME** के कर्मचारियों में **80%** पुरुष और मात्र **20%** ही महिलाएं
- देश के केवल **7** राज्यों में ही लगभग **50% MSME**
- **12.5% SC, 4% ST and 49% OBC**

MSMEs का निर्धारण

सूक्ष्म वित्तीय ऋणों के लिए **RBI** का नियामक ढांचा

- मार्च, **2022**
- **RBI**
- सूक्ष्म वित्तीय संस्थानों **(MFI)** के संबंध में नए दिशानिर्देश जारी
- **1** अप्रैल, **2022** से प्रभावी
- सूक्ष्म वित्तीय ऋण की परिभाषा में संशोधन
- पहले ग्रामीणों के लिए **1.2** लाख रूपये और शहरी क्षेत्र के लिए **2** लाख रूपये
- अब पूरे भारत में **3** लाख रूपये
- साथ ही **MFI** को ब्याज दरों को निर्धारित करने की स्वतंत्रता भी
- माइक्रो फाइनेंस ऋणों पर कोई पूर्व भुगतान दंड नहीं

- विलंबित भुगतान के लिये जुर्माना संपूर्ण ऋण राशि पर नहीं

सूक्ष्म वित्तीय संस्थान (MFI) क्या है?

- एक ऐसा संगठन, जो अल्प आय वाली आबादी को वित्तीय सेवाएँ प्रदान करता है।
- सूक्ष्म ऋण, सूक्ष्म बचत और सूक्ष्म बीमा इत्यादि सेवाएँ
- उन लोगों को छोटे ऋण, जिनकी बैंकिंग सुविधाओं तक पहुँच नहीं
- अधिकतर मामलों में ब्याज दरें सामान्य बैंकों द्वारा वसूल की जाने वाली दरों से कम

MFI के तहत दी जाने वाली सेवाएँ

- क्रेडिट की सुविधा
- बचत की सुविधा
- बीमा सुविधा
- फंड ट्रांसफर की सुविधा

WPI और CPI आधारित मुद्रास्फीति के ताजा आंकड़े

- मार्च, 2022
- केंद्र सरकार द्वारा WPI और CPI आधारित खुदरा मुद्रास्फीति के संबंध में नए आंकड़े जारी
- भारत में थोक मुद्रास्फीति (WPI) बढ़कर 13.11%
- जबकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) मुद्रास्फीति 6.07%

- अभिजीत सेन समिति की अनुशंसा पर 2009 से प्रकाशन
- वाणिज्यिक एवं औद्योगिक मंत्रालय के अंतर्गत आर्थिक सलाहकार कार्यालय (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय) द्वारा प्रकाशित
- मासिक आधार पर जारी
- आधार वर्ष 2011-12
- वर्तमान में WPI टोकरी में 697 वस्तुएं शामिल

प्राथमिक वस्तुएं	117 वस्तुएं	भारांश: 22.62
ईंधन एवं शक्ति	16 वस्तुएं	भारांश: 13.15
विनिर्मित वस्तुएं	564 वस्तुएं	भारांश: 64.23

CPI

MK ACADEMY

2012 से पहले **CPI 4** आधारों पर

1. औद्योगिक श्रमिक
2. कृषिक श्रमिक
3. ग्रामीण श्रमिक
4. शहरी और शारीरिक कर्मचारी

2012 के बाद **CPI 3** आधारों पर

- **CPI (R)**
- **CPI (U)**
- **CPI (combined)**

2017 के बाद आधार वर्ष ***2012***
गुणोत्तर माध्य विधि का प्रयोग

WPI	CPI
इसकी गणना थोक बाजार में उत्पादकों और बड़े व्यापारियों द्वारा किये गए भुगतान के आधार पर की जाती है	इसकी गणना उपभोक्ताओं द्वारा बाजार में किये गए भुगतान के आधार पर की जाती है
आर्थिक सलाहकार कार्यालय (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय)	केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय)

WPI	CPI
केवल वस्तुओं को मापा जाता है	वस्तुओं और सेवाओं दोनों को
मुद्रास्फीति की गणना पहले चरण के भुगतान के आधार पर की जाती है	मुद्रास्फीति की गणना सबसे आखिरी चरण के भुगतान के आधार पर

WPI	CPI
697 (प्राथमिक वस्तुएं, ईंधन और बिजली और विनिर्मित उत्पाद) वस्तुओं का मूल्य गिना जाता है	697 (प्राथमिक वस्तुएं, ईंधन और बिजली और विनिर्मित उत्पाद) वस्तुओं का मूल्य गिना जाता है
औद्योगिक वस्तुएं और मध्यवर्ती वस्तुएं जैसे खनिज, मशीनरी, बुनियादी धातु आदि प्रकार की वस्तुएं शामिल	शिक्षा, संचार, परिवहन, मनोरंजन, कपड़े, खाद्य और पेय पदार्थ, आवास और चिकित्सा खर्च प्रकार की वस्तुएं शामिल

WPI	CPI
प्राथमिक वस्तुएं, ईंधन और बिजली (साप्ताहिक आधार पर), अन्य सभी वस्तुओं पर या ओवरआल (एक महीने में) आंकड़े प्रकाशित किये जाते हैं	एक महीने में

रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब

- मार्च, **2022**
- भारतीय रिज़र्व बैंक
- बेंगलुरु में
- **RBI** की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी
- कंपनी अधिनियम, **2013** की धारा **8** के तहत स्थापित
- **100** करोड़ रुपए की प्रारंभिक पूंजी
- वित्तीय समावेशन तथा कम आय वाली आबादी तक वित्तीय सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रमुख उद्देश्य

हब के पास एक स्वतंत्र बोर्ड है, जिसके अध्यक्ष श्री गोपालकृष्णन हैं तथा उद्योग और अकादमिक जगत के अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति सदस्य हैं।
RBIH की स्थापना के उद्देश्य, अर्थात् वित्तीय समावेशन के अंतर्निहित विषय के साथ भारत में वित्तीय क्षेत्र में विश्व स्तरीय नवोन्मेष लाना, के अनुरूप है।

शक्तिकांत दास (गवर्नर, **RBI**)

MK ACADEMY

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (Forex Reserve)

- फरवरी, **2022**
- केंद्रीय रिजर्व बैंक
- भारत का विदेशी मुद्रा भंडार जनवरी के अंत तक लगभग **635** बिलियन अमेरिकी डॉलर

विदेशी मुद्रा भंडार
- विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां
- स्वर्ण भंडार

- विशेष आहरण अधिकार **(SDR)**
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष **(IMF)** के साथ रिज़र्व ट्रेंच

विदेशी मुद्रा भंडार का महत्व

- सरकार और **RBI** को देश के बाह्य और आंतरिक वित्तीय मुद्दों के प्रबंधन में आसानी
- किसी भी आर्थिक संकट की स्थिति में एक वर्ष के लिये देश के आयात बिल को कवर करने के लिए पर्याप्त
-
- बढ़ते विदेशी मुद्रा भंडार ने डॉलर के मुकाबले रूपए को मज़बूत करने में मदद

विशेष आहरण अधिकार

- **IMF ⇒ 1971** में शुरुआत
- विश्व में अंतरराष्ट्रीय नकदी की समस्या को दूर करने के लिए
- **SDR IMF** की मुद्रा
- अन्य नाम **:** पेपर गोल्ड

SDR की मूल्य टोकरी

- अमेरिकी डॉलर
- जापानी येन
- ब्रिटिश पाउंड
- चीनी युआन
- यूरोपीयन यूरो

राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम / National Land Monetization Corporation

- फरवरी**, 2022**
- राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम की स्थापना
- सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं की भूमि और गैर-प्रमुख संपत्तियों के मुद्रीकरण में तेज़ी लाने के लिए

- भारत सरकार के **100 %** स्वामित्व वाली इकाई के रूप में स्थापित
- प्रारंभिक शेयर पूंजी **5,000** करोड़ रुपए

- वित्त वर्ष **2021-22** से **2024-25** तक केंद्र सरकार की मूल संपत्ति के माध्यम से कुल **6** लाख करोड़ रुपए की मुद्रीकरण क्षमता का आकलन
- सड़क, रेलवे, बिजली, तेल और गैस पाइपलाइन तथा दूरसंचार **5** क्षेत्र सम्मिलित

वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद की बैठक

- फरवरी**, 2022**
- केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में

- **25**वीं बैठक
- **NPA,** दिवालियापन तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपये को मजबूती प्रदान करने जैसे मुद्दों पर चर्चा

वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद

- गठन : **2010** में
- सांविधिक निकाय
- अध्यक्ष : केंद्रीय वित्त मंत्री
- सदस्य : **RBI** के गवर्नर, वित्त सचिव, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, मुख्य आर्थिक सलाहकार

FSDC के उत्तरदायित्व

- वित्तीय क्षेत्र का विकास
- वित्तीय स्थिरता **&** वित्तीय समावेशन
- वित्तीय साक्षरता
- अंतर-नियामक समन्वय
- अर्थव्यवस्था का विवेकपूर्ण पर्यवेक्षण

विकासशील देश के रूप में चीन और विश्व व्यापार संगठन

- जनवरी, **2022**
- चीन द्वारा **WTO** के संदर्भ में स्वयं को विकासशील देश के रूप में घोषित
- अमेरिका सहित कई देशों की आपत्ति

क्या है पूरा मामला **?**

- **WTO** द्वारा 'विकसित' और 'विकासशील' देश की कोई निश्चित परिभाषा तय नहीं
- नियमों के अनुसार सदस्य देश द्वारा स्वयं ही घोषणा कि वे 'विकसित' हैं या 'विकासशील' **?**

WTO में विकासशील देश होने के निहितार्थ

- **WTO** समझौतों में कुछ विशेष प्रावधान होते हैं जो विकासशील देशों को विशेष अधिकार प्रदान करते हैं।

- **WTO** के इन प्रावधानों को 'विशेष और विभेदात्मक व्यवहार' **(Special and Differential Treatment : S&D)** के रूप में जाना जाता है।

- समझौतों और प्रतिबद्धताओं को लागू करने के लिये लंबी समयावधि
- **WTO** के काम को पूरा करने, विवादों का प्रबंधन करने और तकनीकी मानकों को लागू करने हेतु विकासशील देशों की सहायता

- विकासशील देशों के लिये व्यापार अवसरों को बढ़ाने के उपाय
- अल्प विकसित सदस्य देशों संबंधी प्रावधान

- टैरिफ और व्यापार संबंधी सामान्य करार **(General Agreement on Tariffs and Trade)** विकासशील सदस्य देशों को अपने देश में आयात पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार

- विकासशील देशों के लिये गैर-पारस्परिक अधिमान्य उपचार **(Non-Reciprocal Preferential Treatment)** की अवधारणा संबंधी प्रावधान
- अर्थात् जब विकसित देश विकासशील देशों को व्यापार संबंधी कुछ छूटें देते हैं, तो उन्हें बदले में विकासशील देशों से उसी प्रकार की छूटों की प्रत्याशा नहीं

अन्य देशों को चीन से आपत्ति क्यों ?

- चीन की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के कारण वह एक उच्च मध्यम आय वाला देश
- विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था
- **2021** में वैश्विक **GDP** की **25%** वृद्धि

भारतीय मानक ब्यूरो के **75** वर्ष पूरे

- **6** जनवरी, **2022** को भारतीय मानक ब्यूरो **(BIS)** के **75** वर्ष पूरे
- वर्ष **1947** में भारतीय मानक संस्था के रूप में स्थापित
- भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, **1986** ⇒ भारतीय मानक ब्यूरो
- भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, **2016** ⇒ भारतीय मानक ब्यूरो **(BIS)** राष्ट्रीय मानक निकाय के रूप में स्थापित
- उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
- वस्तुओं के मानकीकरण, अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन जैसी गतिविधियों के सामंजस्यपूर्ण विकास तथा इससे संबंधित गतिविधियों की देखरेख के लिये स्थापित
- भारतीय मानक ब्यूरो का मानक संकेत मोटर वाहन टायर और ट्यूबों के लिए अनिवार्य

एगमार्क

- भारत में कृषि उत्पादों पर नियोजित एक प्रमाणीकरण चिन्ह
- एगमार्क मानकों में दाल, अनाज, आवश्यक तेल, वनस्पति तेल, फलों और सब्जियों और अर्ध प्रसंस्कृत उत्पादों जैसे विभिन्न वस्तुओं के लिए गुणवत्ता दिशानिर्देश

32. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. मोटर वाहनों के टायरों और ट्यूबों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) का मानक चिह्न अनिवार्य है ।
2. AGMARK, खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा जारी एक गुणता प्रमाणन चिह्न है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

(a)

हरित ऊर्जा गलियारा के दूसरे चरण को मंजूरी

- जनवरी, **2022**
- अंतरराज्यीय पारेषण प्रणाली **(Inter State Transmission System)** के लिये हरित ऊर्जा गलियारा के दूसरे चरण को मंजूरी
- चरण-**II 2021-22** और **2025-26** के बीच लागू

- चरण के तहत सात राज्यों- गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में **10,750** किलोमीटर की पारेषण लाइनों **(transmission lines)** का निर्माण

हरित ऊर्जा गलियारा चरण-I

- ग्रिड एकीकरण तथा लगभग **24** गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु आंध्र प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और तमिलनाडु में लागू
- परियोजना लागत का **33%** केंद्र सरकार द्वारा
- इस चरण को इस वर्ष के अंत तक पूरा किए जाने का लक्ष्य

परियोजना का महत्व

- इस योजना द्वारा वर्ष **2030** तक **450** गीगावॉट क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद
- देश में दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा में योगदान

- कार्बन उत्सर्जन को कम करके पारिस्थितिक रूप से सतत विकास को बढ़ावा
- ऊर्जा और अन्य संबंधित क्षेत्रों में कुशल और अकुशल कामगारों के लिये प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर

प्राथमिक डीलर विंडो / primary dealer window

- जनवरी, **2022**
- भारतीय रिज़र्व बैंक
- बॉण्ड हाउस के लिये 'प्राथमिक डीलर' नामक एक विंडो की शुरुआत
- बॉण्ड हाउस एक प्रतिभूति फर्म होती है, जो बॉण्ड वितरण एवं व्यापार का कार्य करती है।
- विंडो के माध्यम से बॉण्ड हाउस, खुदरा प्रत्यक्ष प्लेटफ़ॉर्म से प्राप्त गैर- तरल प्रतिभूतियों (सरकारी प्रतिभूति) को तरल प्रतिभूतियों (नकदी) से बदल सकते हैं।
- प्लेटफ़ॉर्म उन खुदरा निवेशकों के लिये उपयोगी है, जो म्यूचुअल फंड में निवेश किये बिना सीधे संप्रभु बॉण्ड में निवेश करने के इच्छुक
- इसके माध्यम से पूंजी बाज़ार को बढ़ावा, क्योंकि प्राथमिक डीलरों की खुदरा निवेश में महत्त्वपूर्ण भूमिका

मिस्र बना ब्रिक्स न्यू डेवलपमेंट बैंक का सदस्य

- जनवरी, **2022**
- मिस्र बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और उरुग्वे के बाद **NDB** में शामिल चौथा नया सदस्य

न्यू डेवलपमेंट बैंक

- **BRICS** द्वारा संचालित एक बहुपक्षीय विकास बैंक
- **2013** में दक्षिण अफ्रीका के डरबन में आयोजित **BRICS** शिखर सम्मेलन में **NDB** की स्थापना पर सहमति
- **2014** में ब्राज़ील के फोर्टालेज़ा में छठे **BRICS** शिखर सम्मेलन में **NDB** की स्थापना
- प्रारंभिक अधिकृत पूंजी : **100** बिलियन डॉलर
- मुख्यालय : शंघाई (चीन)
- **1** अध्यक्ष **+ 4** उपाध्यक्ष **+** अन्य कार्यकारी सदस्य
- प्रत्येक भागीदार देश को समान मताधिकार, किसी भी देश के पास वीटो पावर नहीं

ग्लोबल गेटवे योजना / Global Gateway Scheme

- दिसंबर, **2021**
- यूरोपीय यूनियन
- वर्ष **2027** तक दुनियाभर में सार्वजनिक और निजी बुनियादी ढांचे में निवेश हेतु **300** अरब यूरो **(EURO 300 billion)** जुटाने से संबंधित
- हालांकि आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं कि यह फंड किस प्रकार से जुटाया जाएगा।
- इस पहल के माध्यम से यूरोपीय यूनियन वैश्विक स्तर पर निवेश की नई संभावनाओं की तलाश कर रहा है।

वेतन दर सूचकांक में संशोधन / Revision in Wage Rate Index

MK ACADEMY

SINCE 1920

LABOUR BUREAU
MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT
GOVERNMENT OF INDIA

Wage Rate Index
Series (Base: 2016=100)

- दिसंबर, **2021**
- केंद्रीय श्रम मंत्रालय
- वेतन दर सूचकांक के आधार वर्ष को **1963-65** से बदल कर वर्ष **2016**
-
- वेतन दर सूचकांक को अधिक प्रासंगिक और व्यावहारिक बनाने के उद्देश्य से आधार वर्ष में परिवर्तन
- वेतन दर सूचकांक के लिए निर्धारित आधार वर्ष को लगभग **5** दशक से भी अधिक का समय
- इसके बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में व्यापक परिवर्तन

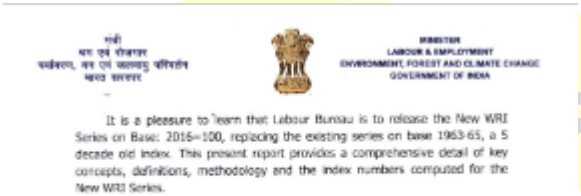

It is a pleasure to learn that Labour Bureau is to release the New WRI Series on Base: 2016=100, replacing the existing series on base 1963-65, a 5 decade old index. This present report provides a comprehensive detail of key concepts, definitions, methodology and the index numbers computed for the New WRI Series.

WRI is a vital economic indicator that measures changes in the wage level in selected industries. The new series on WRI has been compiled on half year basis as against the annual in the existing series. WRIs, in respect of Thirty Seven Industries (Thirty industries under Manufacturing Sector, Four industries under Mining Sector and Three industries under Plantation Sector), include the time period between July 2016 and July 2020. The New WRI Series would be point-to-point, half yearly, with reference date as 1st January and 1st July of every year.

वेतन दर सूचकांक

625, Ground Floor, Near Bansi Wala Sweets, Mukherjee Nagar, Delhi-09
Contact: 9289708001, 9289708002, 9289708003

- अर्थव्यवस्था के विभिन्न उद्योगों में संलग्न कार्मिकों की आय में होने वाले तुलनात्मक प्रदर्शन को दर्शाता है।
- केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी

विश्व असमानता रिपोर्ट, 2022 / World Inequality Report, 2022

- दिसंबर, **2021**
- वैश्विक असमानता रिपोर्ट, **2022**
- फ्रांस स्थित एक गैर-सरकारी संगठन वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब द्वारा जारी
- रिपोर्ट में किसी देश को रैंकिंग नहीं
- रिपोर्ट का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर आय की असमानता के परिदृश्य को इंगित करना तथा इस ओर वैश्विक समुदाय का ध्यान आकर्षित करना

रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- भारत की **1** प्रतिशत जनसंख्या के पास कुल राष्ट्रीय आय का लगभग **20** प्रतिशत हिस्सा
- **10** प्रतिशत जनसंख्या के पास कुल राष्ट्रीय आय का **57** प्रतिशत
- भारत की आधी जनसंख्या के पास राष्ट्रीय आय का केवल **13** प्रतिशत
- आधी भारतीय जनसंख्या की औसत वार्षिक आय केवल **54** हजार रुपये के लगभग ही
- भारत की कुल राष्ट्रीय आय में महिला श्रमिकों की भागीदारी केवल **18** प्रतिशत
- वर्ष **1922** (तब भारत में पहली बार आयकर लगाया गया था) के बाद से वर्तमान में आय असमानता अपने उच्चतम स्तर पर

विशेष क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी योजना

- नवंबर, **2021**
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए
- केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
- अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के उद्योगों द्वारा के लिए उन्नत तकनीक, मशीनों तथा सेवा उपकरणों की खरीद के लिए **25** प्रतिशत की सब्सिडी

उद्देश्य

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों में नवाचार तथा प्रौद्योगिकी का समावेश करना
- ताकि उत्पादन में वृद्धि करते हुए अर्थव्यवस्था को गतिशीलता प्रदान की जा सके।
- भारत के राजस्व घाटे में वृद्धि / **Increase in India's revenue deficit**
- नवंबर, **2021**
- ब्रिटेन की एक प्रमुख आर्थिक एजेंसी द्वारा भारत के संदर्भ में विश्लेषणात्मक रिपोर्ट

भारत के राजस्व घाटे में निरंतर वृद्धि

प्रमुख बिंदु

- राजस्व घाटे में वृद्धि का प्रमुख कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल **10** डॉलर की वृद्धि होने से भारत का राजस्व घाटा में औसत रूप से जीडीपी के **35** बेसिस अंकों तक वृद्धि
- दूसरे प्रमुख कारण के रूप में विदेशी स्वर्ण आयात
- सोने की घरेलू मांग में वृद्धि होने

मूल्य स्थिरीकरण कोष / Price Stabilization Fund

- दैनिक जीवन की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में स्थिरीकरण के लिए स्थापित एक कोष
- स्थापना वर्ष **2014-15**
- मूलतः कोष केंद्रीय कृषि और किसान मंत्रालय के तहत स्थापित
- वर्ष **2016** में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत उपभोक्ता मामलों के विभाग को हस्तांतरित
- कोष का प्रमुख उद्देश्य आलू, प्याज जैसी वस्तुओं की कीमतों में होने वाली अत्यधिक वृद्धि अथवा अत्यधिक गिरावट को रोककर उनमें स्थिरता लाना
- कोष के तहत उन वस्तुओं को लक्षित, जिनकी कीमतों एवं आपूर्ति में वर्षभर अनिश्चित बने रहने की संभावना
- कोष केंद्र को राज्य सरकारों को ब्याज मुक्त ऋण देने में सक्षम बनाता है, जिससे वे अस्थिर वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित कर सकें।
- कोष के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा राज्यों एवं केंद्र-शासित प्रदेशों को ब्याज मुक्त ऋण
- ताकि बाजार में सब्जियों आदि की वर्षभर लगभग एक समान कीमतों पर पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित

बाजार आधारित आर्थिक प्रेषण / market based economic remittances

MK ACADEMY

- अक्टूबर, **2021**
- केंद्रीय विद्युत मंत्रालय
- बाजार आधारित आर्थिक प्रेषण **(Market Based Economic Dispatch : MBED)** का पहला चरण जारी करने की घोषणा
- **1** अप्रैल, **2022** से प्रारंभ
- इसके तहत सभी राज्यों में बिजली की मांग को उचित कीमतों के आधार पर एक केंद्रीय पूल के माध्यम से पूरा किया जाएगा।

उद्देश्य

- उपभोक्ताओं की बिजली खरीद लागत को **5** प्रतिशत तक कम करना
- अर्थात् उपभोक्ताओं को **5** प्रतिशत तक सस्ती बिजली उपलब्ध कराना

- साथ ही देश में बिजली के संबंध में उपभोक्ताओं के लिए एक समान मूल्य निर्धारण तंत्र स्थापित करना, ताकि बिजली की कीमतों में एकरूपता आ सके

'SACRED' रोजगार पोर्टल

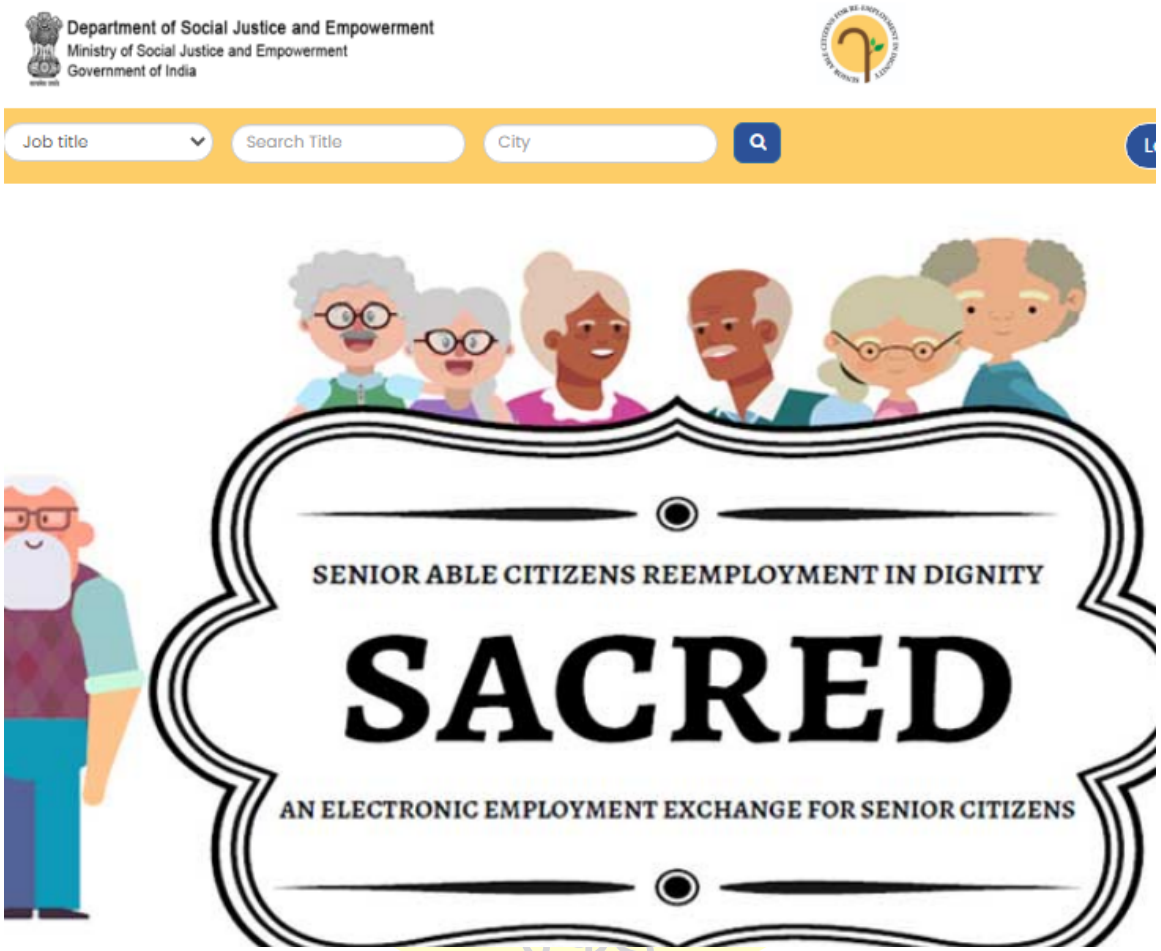

- अक्टूबर, **2021**
- वरिष्ठ नागरिकों के लिए
- **1** अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर लांच
- केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय
- पोर्टल का औपचारिक नाम : **Senior Able Citizen for Re-employment in Dignity**
- वृद्ध नागरिकों को रोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना

पात्र

- लगभग **12** करोड़ वरिष्ठ नागरिक जिनकी आयु **60** वर्ष से अधिक

ग्रीन टर्म लोन

625, Ground Floor, Near Bansi Wala Sweets, Mukherjee Nagar, Delhi-09
Contact: 9289708001, 9289708002, 9289708003

NTPC REL signs first green term loan pact of Rs 500 cr with Bank of India

- अक्टूबर, **2021**
- सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी **NTPC** की एक सहायक कंपनी एनटीपीसी-रिन्यूएबल एनर्जी
- राजस्थान तथा गुजरात में सौर परियोजनाओं की स्थापना हेतु बैंक ऑफ इंडिया के साथ **500** करोड़ रूपये के ग्रीन टर्म लोन पर हस्ताक्षर
- ग्रीन लोन ऐसा लोन जो उधारकर्ताओं को उन परियोजनाओं में पैसा लगाने में सक्षम बनाता है, जिनका पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है।

MADHUKAR KOTAWE
आ नो भद्राः क्रतबो यन्तु वि श्वतः
सहयोग और सफलता का पर्याय
MK ACADEMY